# नैनो प्रौद्यौगिकी आधारित समाजोपयोगी अनुसन्धान को बढ़ावा देना

अग्रवाल महाविद्यालय में आयोजित दो दिन के राष्ट्रीय विज्ञान सम्मलेन दिनांक 21-22 दिसंबर 2018 के दूसरे दिन प्रातःकालीन तकनीकी सत्र की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० कृष्णकांत गुप्ता ने बताया कि इस सम्मलेन का मुख्य विचार बिंदु और उद्देशय हैं - 'नैनो पदार्थ पर अनुसन्धान तथा तकनीक का प्रयोग करते हुए नए नए नैनो पदार्थों का निर्माण करना', जिससे समाज के प्रति उनकी उपयोगिताओं को बढ़ाया जा सके । इस सम्मलेन में भारत के विभिन्न राज्यों से प्रबुद्ध वैज्ञानिकों व शोधार्थियों ने भाग लिया तथा अपने-अपने सत्रों व पोस्टरों के माध्यम से विषय के विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श किया ।

दूसरे दिन के पहले सत्र में डॉ० आर० जी० सोनकावड़े (प्रोफ़ेसर, शिवाजी यूनिवर्सिटी, कोलापुर) ने अध्यक्षता की । डॉ० आर० पी० चौहान (एन० आई० टी०, कुरुक्षेत्र) व डॉ० एन० एल० सिंह०, एम० एस० यूनिवर्सिटी, बड़ौदा) अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित थे ।

दूसरे सत्र में डॉ० एन० एल० सिंह व डॉ० संजय गुप्ता (इग्नू, दिल्ली) ने अध्यक्षता की । डॉ० अशोक कुमार शर्मा (दीनबंधु छोटूराम विश्वविद्यालय) व डॉ० ललिता गुप्ता (डी० आर० डी० ओ०, दिल्ली) अतिथि वक्त के रूप में उपस्थित थे।

दोपहर भोज के पश्चात् तीसरे सत्र में डॉ० राजेश कुमार (जी० जी० एस० आई० पी० यूनिवर्सिटी, दिल्ली) व डॉ० आर० पी० चौहान (एन० आई० टी०, कुरुक्षेत्र) ने अध्यक्षता की। डॉ० आर० जी० सोनकावड़े व डॉ० पी० डी० सहारे अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित थे ।

दूसरे दिन के तीनों सत्रों का मंच सञ्चालन डॉ० श्वेता चोपड़ा, डॉ० नेहा बत्रा, डॉ० नेहा वशिष्ठ एवं डॉ० मौसमी साहू ने किया।

दो दिवसीय सम्मलेन के समापन समारोह के अवसर पर इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड आर० एन्ड डी०, फरीदाबाद के जनरल मैनेजर डॉ० जे० क्रिस्टोफर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने वक्तव्य में उन्होंने विषय को प्रासंगिक बताया और सफल आयोजन के लिए आयोजकों के प्रयास को सराहा कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय प्रबंध समिति के प्रधान श्री देवेंद्र गुप्ता ने इस प्रकार के वैज्ञानिक सम्मेलनों को शिक्षा व सामाजिक समरसता के लिए अनिवार्य बताया। इस अवसर उपस्थित मुख्य अतिथियों ने उन शोधकर्ताओं की स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जिन्हें श्रेष्ठ शोधपत्र पठन के लिए चुना गया। इस विषय से सम्बंधित पांच सर्वश्रेष्ठ पोस्टर एवं तीन सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र चुने गए।

इस राष्ट्रीय विज्ञान सम्मलेन की उपसंयोजिका महाविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग की डॉ० पूनम आनंद थीं और आयोजन सचिव महाविद्यलय के भौतिक विज्ञान विभाग के डॉ० संजीव गुप्ता थे। सम्मलेन का सारांश डॉ० मीनू अग्रवाल (रसायन विभाग) ने प्रस्तुत किया। इस समारोह का समापन वक्तव्य प्रोफ़ेसर एस० के० चक्रवर्ती जी ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में डॉ० ए० एस० यादव (भौतिक शास्त्र) ने उपस्थित सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। अंत में राष्ट्रीय ज्ञान प्रस्तुत किया गया ।